

धूमकेतु लयोनार्ड

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बेहद चमकीला धूमकेतु (सी 2021 ए 1)) टूटकर बखिर गया। इसके टुकड़ों में वभिजति अवशेषों को दक्षिणी गोलार्द्ध के आसमान में देखा गया है।

प्रमुख बदि

- आर्यभट्ट प्रेक्षण वजिज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के वरषिठ खगोल वजिज्ञानी डॉ. शशभूषण पांडेय ने बताया कि इस धूमकेतु की खोज 3 जनवरी, 2021 को जीजे लयोनार्ड ने की थी, जसि कारण इसे कामेट लयोनार्ड के नाम से भी जाना जाता है।
- यह धूमकेतु 12 दसिंबर, 2021 को पृथ्वी के करीब से गुजरा था, जसिकी फोटो नैनीताल के एस्ट्रोफोटोग्राफर राजीव दुबे ने ली थी।
- यह 3 जनवरी, 2022 को सूरज के नजदीक पहुँचा था। सूरज के नजदीक पहुँचने पर वह दशिा भटक चुका था और टूटकर बखिरने लगा था।
- यह धूमकेतु बेहद चमकीला था, जसि नग्न आँखों से भी देखा गया। पृथ्वी के नजदीक आने पर दुनयिा के कई हसिसों से खगोलप्रेमयिों ने इसे कैमरे में कैद कयिा था।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/comet-leonard>

